

केदारनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों?

26 फरवरी 2025 को श्री [बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति](#) ने घोषणा की कि मंदिर के द्वार 2 मई 2025 को खुलेंगे।

मुख्य बंदि

- तीरथ स्थलों के लिये अंतमि तथियिँ:
 - केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने की घोषणा के साथ ही [गढ़वाल हमिलय](#) के सभी चार पवतिर स्थलों के लिये कपाट खुलने की तथियिँ तय हो गई हैं।
 - बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई 2025 को खुलेंगे।
 - गंगोत्री और यमुनोत्री धाम 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर खुलेंगे।
 - ये चार स्थल मलिकर छोटा [चार धाम](#) का नरिमाण करते हैं, जो एक महत्त्वपूर्ण हद्वि तीरथस्थल है।
- केदारनाथ मंदिर खोलने पर नरिणय:
 - धार्मकि गुरुओं और वेदपाठयिँ ने [महाशविरातरु](#) पर केदारनाथ के कपाट खुलने का शुभ समय और तथि नरिधारति की।
 - यह नरिणय बाबा केदार के शीतकालीन नविस स्थान उखीमठ स्थति [ओंकारेशवर मंदिर](#) में पूजा-अरचना के बाद लयिा गया।

चार धाम यात्रा

- यमुनोत्री धाम:
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़लिा
 - देवी यमुना को समरपति।
 - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवतिर नदी है।
- गंगोत्री धाम:
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़लिा
 - समरपति: देवी गंगा को।
 - सभी भारतीय नदयिँ में सबसे पवतिर मानी जाती है।
- केदारनाथ धाम:
 - स्थान: रुद्रप्रयाग ज़लिा
 - भगवान शवि को समरपति।
 - मंदाकनी नदी के तट पर स्थति है।
 - भारत में स्थति [12 जयोतरिलगिँ](#) (भगवान शवि के दविय स्वरूप) में से एक।
- बद्रीनाथ धाम:
 - स्थान: चमोली ज़लिा।
 - पवतिर बद्रीनारायण मंदिर का घर।
 - भगवान वषिणु को समरपति।
 - वैषणवों के लिये पवतिर तीरथस्थलों में से एक।

